R. LALL
Educational Publishers
Since 1991

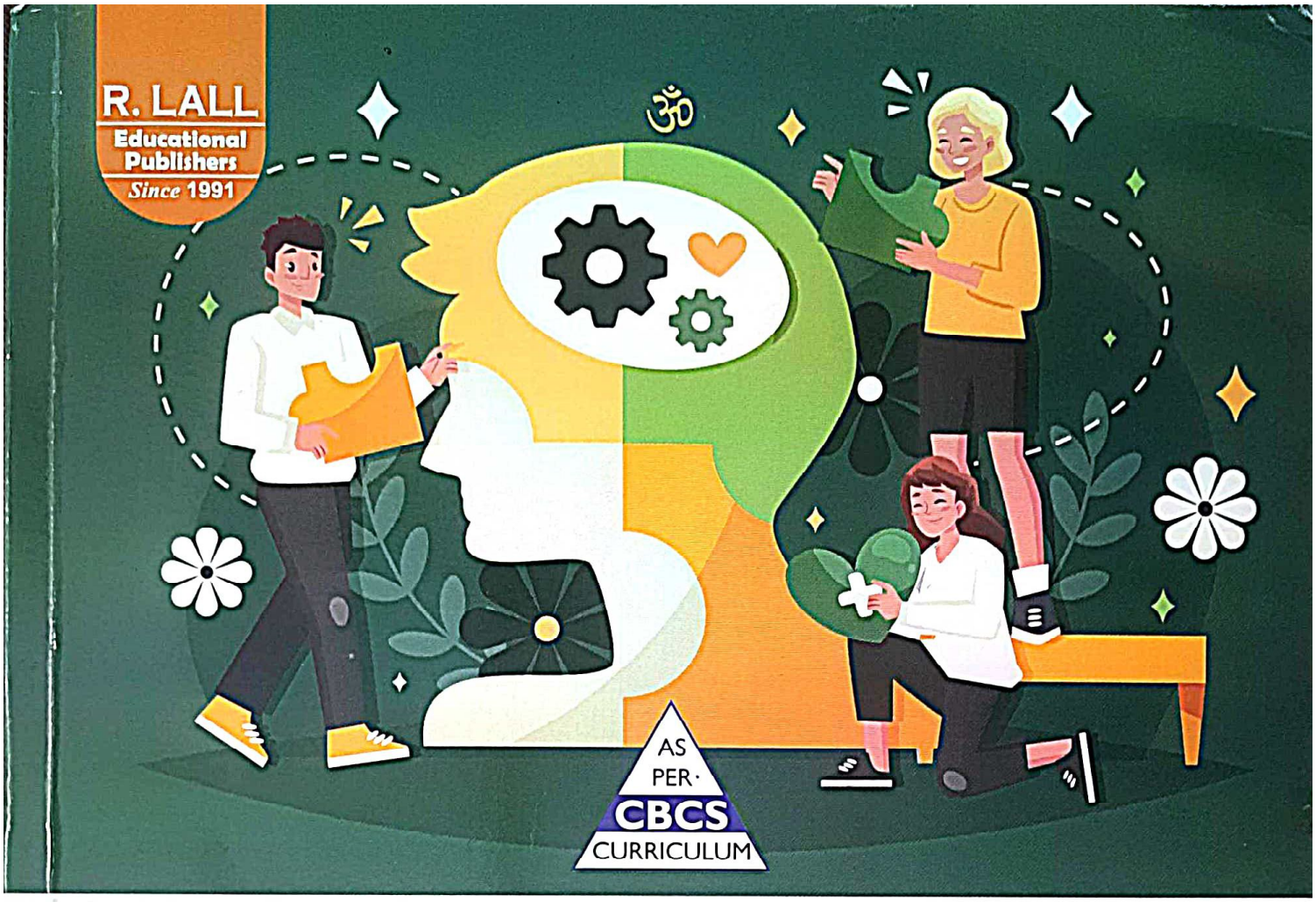

अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान

PSYCHOLOGY OF LEARNING AND DEVELOPMENT

डॉ० मोहन लाल 'आर्य' | प्रो० एम० पी० पाण्डेय | डॉ० राजकुमारी गोला

अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान
[PSYCHOLOGY OF LEARNING AND DEVELOPMENT]

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू०जी०सी०) एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन०सी०टी०ई०) द्वारा अनुमोदित तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के नवीनतम् दो वर्षीय एम०एड० पाठ्यक्रमानुसार

❖

लेखक

डॉ० मोहन लाल 'आर्य'
एम०ए०, एम०एड०, एम०फिल० (शिक्षाशास्त्र),
यू०जी०सी०-नेट (शिक्षाशास्त्र),
पी-एच०डी० (भूगोल एवं शिक्षाशास्त्र)
आचार्य
शिक्षा विभाग
स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज
आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उ०प्र

प्रो० एम० पी० पाण्डेय
एम०ए०, एम०एड०, एम०फिल० (शिक्षाशास्त्र),
पी-एच०डी० (शिक्षाशास्त्र एवं अर्थशास्त्र)
कुलपति
आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उ०प्र

डॉ० राजकुमारी गोला
एम०ए० (अंग्रेजी, मनोविज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र)
बी०एड०, पी-एच०डी० (शिक्षाशास्त्र)
सहायक आचार्य
शिक्षा विभाग
स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज
आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उ०प्र०

SPECIMEN
with Best Compliments From :
AUTHORS & PUBLISHER

एकमात्र वितरक

आर० लाल बुक डिपो
(AN ISO 9001-2008 Certified Company)
निकट गवर्नमेंट इण्टर कॉलिज, बेगम ब्रिज रोड,
मेरठ पिन-250001

❑ प्रकाशक :
विनय रखेजा
C/o आर० लाल बुक डिपो
(AN ISO 9001-2008 Certified Compamy)
निकट गवर्नमेंट इण्टर कॉलिज, बेगम ब्रिज रोड,
मेरठ 250001
फोन : (0121) 2643623, 2666235 (O)
(Fax) 0121-4006142
e-mail : rlall_meerut@yahoo.com

© सर्वाधिकार लेखकाधीन

ISBN NO : 978-93-95603-24-9

वैधानिक चेतावनी

- *इस पुस्तक की सम्पूर्ण सम्पूर्ण विषय-सामग्री (रेखाचित्रों तथा छायाचित्रों सहित) के सर्वाधिकार लेखक के पास सुरक्षित हैं। अत: कोई भी व्यक्ति इस पुस्तक का नाम, टाइटिल, डिजाइन तथा विषय-सामग्री आदि को आंशिक या पूर्णरूप से घुमा-फिराकर प्रकाशित करने का प्रयास न करें। अन्यथा कानूनी तौर पर हर्जे-खर्चे और हानि के स्वयं उत्तरदायी होंगे।*
- *यद्यपि इस पुस्तक को यथासम्भव शुद्ध और गलतीरहित प्रस्तुत करने का यथासम्भव प्रयास किया गया है। तथापि इसमें कोई कभी अथवा गलती मानवीय भूल से रह गयी हो तो उससे होने वाली क्षति अथवा पीड़ा के लिये लेखक, प्रकाशक, मुद्रक एवं विक्रेता का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र केवल मेरठ न्यायालय ही होगा।*
- *इस पुस्तक में रह गयी तथ्यात्मक त्रुटियों अथवा अन्य किसी भी कमी के लिये प्रबुद्ध पाठकगणों से सुझाव आमंत्रित हैं। प्राप्त सुझावों के आधार पर त्रुटियों का समायोजन आगामी संस्करण में कर दिया जायेगा।*

❑ मूल्य : ₹ **325/-**

❑ *लेज़र टाइप सैटिंग*
गर्वित कम्प्यूटर्स, मेरठ

❑ मुद्रक :
अरिहन्त इलेक्ट्रिक प्रेस